BHIMAPPA SOMAPPA NAVI
Digitally signed by BHIMAPPA SOMAPPA NAVI
DN: c=IN, o=KARNATAKA STATE AKKAMAHADEVI WOMENS UNIVERSITY VIJAYAPURA, ou=NA, 2.5.4.20=db7789db39afe1f3d852b09ea3497499328f50a9eb82c5e3eb9b8da79cde486e, postalCode=586108, st=KARNATAKA, serialNumber=a2019af0af54b531e19e9c7b6fbd664dec1569beb802de3505e28213b85e6333, cn=BHIMAPPA SOMAPPA NAVI
Date: 2023.08.07 15:27:29 +05'30'

full Scan

Employability / skill development

Hindi 1.1.3

N.E.

First Semester

Hard Core Course (three)

Paper Code: HC. 1.3

units = 05 of 14 marks each

Title of paper : Functional Hindi

प्रयोजनमूलक हिन्दी

1

- हिन्दी के विभिन्न रूपः सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा

2

- कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण

3

- पारिभाषिक शब्दावलीः स्वरूप एवं महत्व, निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

4

- संचार माध्यम में हिन्दीः पत्रकारिता, दूरदर्शन, रेडियों, विज्ञापन के क्षेत्र
- बैंकिंग एवं डाक विधि तथा व्यवसाय, वाणिज्य क्षेत्रों में हिन्दी

5

- हिन्दी कंप्यूटिंग : इंटरनेट संपर्क उपकरण, वेब पब्लिशिंग, प्रमुख पोर्टल, हिन्दी सॉफ्ट्वेयर
- हिन्दी एवं अनुवाद क्षेत्रः भूमिका स्वरूप एवं प्रकार

प्रश्नपत्रिका नमूना एवं अंकों का विवरण

कुल पॉच विश्लेषणात्मक / विवरणात्मक / प्रायोगिक प्रश्न (हरेक युनिट से / आंतरिक विकल्प के साथ)

समयः तीन घंटे कुल अंक : 5x14=70

सहायक ग्रंथसूचि

1प्रयोजनमूलक हिन्दी:सिद्धांत और प्रयोगः दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2 प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी भाषा:कैलाशचन्द्र भाटियाः तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली
3 प्रयोजनमूलक हिन्दीः संरचना और प्रयोगःडॉ माधव सोनटक्केः छाया पब्लिशिंग हाउस, औरंगाबाद
4 कम्प्यूटर और हिन्दीः डॉ हरिमोहनः तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली
5 पत्रव्यवहार निर्देशिका:भोलानाथ तिवारीः वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Still development and employability

Hindi 1.1.3

Old Syllabus

N.E

Second Semester

Hard Core Course (three)

Paper Code: HC. 2.3

units = 05 of 14 marks each

Title of paper : Translation : Principles & Practice

अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग

1

2

3

4

5

- अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र एवं सीमाएँ,
- अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद, कला विज्ञान और शिल्प
- अनुवाद की इकाईयाँ: शब्द, पदबन्ध, वाक्य और पाठ
- अनुवाद की प्रकिया और प्रविधिः विश्लेषण, अंतरंग, पुर्नगठन
- अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकारः कार्यालयी, वैज्ञानिकी एवं तकनिकी अनुवाद साहित्यिक, मानविकी संचारमाध्यम एवं विज्ञापनी अनुवाद
- अनुवाद की समस्याएँ : कार्यालयी, वैज्ञानिकी, तकनिकी, साहित्यिक, मानविकी संचारमाध्यम इत्यादि क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ विधि साहित्य, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ निर्माण , मीडिया एवं विज्ञापन इत्यादि क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ
- अनुवाद के उपकरण :कोश, पारिभाषिक शबदावली,थियारस,कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि
- अनुवाद : परीक्षण, संपादन और मूल्यांकन, मशीनी अनुवाद
- अनुवादक के गुण
- पाठ की अवधारणा एवं प्रकृति : पाठ – शब्द प्रति शब्द अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद
- प्रायोगिक अनुवाद – हिन्दी से कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद
  – कन्नड या अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद

<u>प्रश्नपत्रिका नमूना एवं अंकों का विवरण</u>

कुल पॉच (विश्लेषणात्मक / विवरणात्मक / प्रायोगिक) प्रश्न (हरेक युनिट से / आंतरिक विकल्प के साथ)

समयः तीन घंटे

कुल अंक : 5x14=70

<u>सहायक ग्रंथसूचि</u>

1 अनुवाद विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रविधि:भोलानाथ तिवारीः किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
2 अनुवाद क्या है : राजमल बोराः वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3 अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोगः डॉ जी गापीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4 कम्प्यूटर और हिन्दी : डॉ हरिमोहनः तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5 अनुवाद कलाःसिद्धांत और प्रयोगः डॉ कैलाशचन्द्र भाटियाः तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

Hindi 1.1.3
1.2.1

SC. 3. 1. हिंदी मीडिया और पत्रकारिता

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30
End Semester Question paper and Marks allotment – 70

9. In total five questions
10. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य :

1. छात्रो को पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना |
2. पत्रकारिता और मीडिया लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना |

इकाई - 1

1. पत्रकारिता का उदय, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, 21 वी सदी में पत्रकारिता, हिंदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं, हिंदी के प्रमुख पत्रकार, समाचार की अवधारणा, समाचार संकलन, समाचार पत्र का संगठन, खोजी पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता संपादक, सहायक संपादक, संवाददाता, विशेष संपादक, पत्रकारिता के प्रकार, विज्ञापन और समाचार, संवाददाता सम्मेलन |
2. पत्रकारिता से संबंधी व्यवस्थाएँ |

इकाई - 2

1. जनसंचार की अवधारणा और प्रकार- प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र एवं पत्रिका), इलेक्ट्रानिक मीडिया (रेडियो, टीवी, इंटरनेट, फिल्म निर्माण, ब्लांगिग, सोसलं नेटवर्क), प्रमुख समाचार पत्र, रेडियो व टीवी चैनल, फिल्मों के विशेष संदर्भ में |
2. पत्रकारिता के प्रकार- साहित्यिक पत्रकारिता, सांस्कृतिक पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता |

इकाई - 3

1. मीडिया लेखन के मूलभूत सिद्धांत, संचार के विविध मध्यामों के लिए लेखन के सिद्धांत, प्रकार एवं विषयवस्तु |
2. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन - समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार, विविध विषयों पार विशिष्ट लेखन, विज्ञापन लेखन |

इकाई - 4

1. रेडियो के लिए लेखन - पटकथा (कार्यक्रम हेतु), समाचार, रिपोर्टिंग फीचर, परिचर्चा, संवाद लेखन, विज्ञापन, नाटक (रूपक) विविध विषयों विशिष्ट लेखन, संपादन एवं प्रोडक्शन |
2. टेलीविजन के लिए लेखन- पटकथा लेखन, दृश्यीकरण, दृश्यी लेख की विशिष्टताएँ, धारावाहिक, वृत्ति चित्र, विज्ञापन लेखन, साक्षात्कार |

इकाई - 5

1. सिनेमा के लिए लेखन - फीचर फिल्म की पटकथा, निर्माण के विविध चरण, डॉक्युमेंटरी की पटकथा |

MA Hindi
1.1.3

4. रामचंद्र शुक्ल (सं.)जायसी ग्रंथावली की भुमिका
नागरी प्रचारणी सभा, काशी
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी सूर साहित्य
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. मैनेजर पाण्डेयभक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. रामचंद्र शुक्ल गोस्वामी तुलसीदास
वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. विजेन्द्र स्नातककबीर
राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. बच्चन सिंहबिहारी का नवमुल्यांकन
10. मनोहरलाल गौड़स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद
11. सावित्री सिंह जायसी
12. रामकुमार वर्मा बिहारी सतसई
13. रामकुमार मिश्र संत कबीर
14. शिवप्रसाद सिंह विद्यापति
15. लाला भगवान दीन सूर पंचरत्न
16. परसुराम चतुर्वेदी उत्तर भारत की संत परंपरा
17. रामधर त्रिपाठी घनानंद काव्य कौस्तुब
18. विश्वप्रसादनाथ मिश्र बिहारी
19. सुखविंदर कौल पालकबीर का लोक तात्विक चिंतन
20. धर्मविर कबीर के आलोचक

skill/Emp. 1.1.3

SC. 1. 1 प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद (सिध्दांत एवं प्रयोग)

Course outcome:

To understand the various forms of Functional Hindi.To study the meaning and area of application of Functional Hindi. To understand the uses of Hindi in various field. To study the official language

Acts of 1963 and 1976. To know about different types of official letters and students able to know how to write letters. To know about technical terms of Hindi language. To practice of annotation writing, report writing, condensation writing. TO acquire good knowledge of translation. To learn about translation from English to Hindi they can become translator, interpreter etc. Students can easily be employed in various sectors after successfully completing this paper. To learn communicative skill.

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30
End Semester Question paper and Marks allotment – 70

3. In total five questions
4. Five (05) descriptive/analytical/practical type questions from each unit (all questions with internal choice) **(05 x 14 = 70)**

उद्देश्य:

1. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप क्षत्र और प्रयुक्ति का परिचय कराना।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र अनुवाद की मूलभूत विशेषताओं और उसके महत्व को जान सकेंगे।
3. अनुवाद के व्यावहारिक अभ्यास के द्वारा छात्र बाहतर अनुवाद करने में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई – 1

1. प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति की संकल्पना
2. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ परिभाषाएँ और स्वरूप
3. प्रयोजनमूलक हिंदी का क्षेत्र
4. हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियाँ।

इकाई –2

1. अनुवाद की परंपरा, क्षेत्र, उपयोगिता एवं महत्व
2. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, सिध्दांत और प्रक्रिया
3. लिप्यांतरण, लप्यांकन
4. अनुवाद के प्रकार।

इकाई –3

1. अनुवाद के प्रकार।
2. अनुवाद के गुण एवं दायित्व
3. अनुवाद के उपकरण, कोशों के प्रकार एवं प्रयोग की विधि।

इकाई – 4

1. अनुवाद और संस्कृति
2. अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान

7.1.3

SC. 3. 1. हिंदी मीडिया और पत्रकारिता

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30

End Semester Question paper and Marks allotment – 70

Course outcome:

Students gain knowledge of Hindi news, media, report writing and journalism. Through this practical and skill based course, the students will become employable in the field of journalism.

उद्देश्य :

1. छात्रो को पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना |
2. पत्रकारिता और मीडिया लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना |

इकाई - 1

1. पत्रकारिता का उदय, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, 21 वी सदी में पत्रकारिता, हिंदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं, हिंदी के प्रमुख पत्रकार, समाचार की अवधारणा, समाचार संकलन, समाचार पत्र का संगठन, खोजी पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता संपादक, सहायक संपादक, संवाददाता, विशेष संपादक, पत्रकारिता के प्रकार, विज्ञापन और समाचार, संवाददाता सम्मेलन |
2. पत्रकारिता से संबंधी व्यवस्थाएँ |

इकाई - 2

1. जनसंचार की अवधारणा और प्रकार- प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र एवं पत्रिका), इलेक्ट्रानिक मीडिया (रेडियो, टीवी, इंटरनेट, फिल्म निर्माण, ब्लांगिग, सोसलं नेटवर्क), प्रमुख समाचार पत्र, रेडियो व टीवी चैनल, फिल्मों के विशेष संदर्भ में |
2. पत्रकारिता के प्रकार- साहित्यिक पत्रकारिता, सांस्कृतिक पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता |

इकाई - 3

1. मीडिया लेखन के मूलभूत सिद्धांत, संचार के विविध मध्यामों के लिए लेखन के सिद्धांत, प्रकार एवं विषयवस्तु |
2. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन - समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार, विविध विषयों पार विशिष्ट लेखन, विज्ञापन लेखन |

इकाई - 4

1. रेडियो के लिए लेखन - पटकथा (कार्यक्रम हेतु), समाचार, रिपोर्टिंग फीचर, परिचर्चा, संवाद लेखन, विज्ञापन, नाटक (रूपक) विविध विषयों विशिष्ट लेखन, संपादन एवं प्रोडक्शन |
2. टेलीविजन के लिए लेखन- पटकथा लेखन, दृश्यीकरण, दृश्यी लेख की विशिष्टताएँ, धारावाहिक, वृत्ति चित्र, विज्ञापन लेखन, साक्षात्कार |

इकाई - 5

1. सिनेमा के लिए लेखन - फीचर फिल्म की पटकथा, निर्माण के विविध चरण, डॉक्युमेंटरी की पटकथा |

1.1.3

HC. 4. 1. हिंदी सिनेमा और साहित्य

इकोई : 05

क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100

Internal Marks : Sessional, Assig, Course Work, Mid-Sem Exam and Attendance etc – 30

End Semester Question paper and Marks allotment – 70

Course outcome:

BothCinema and literature express various aspects of human life. Most of the cinemas are based on literary works. Through this course, the students shall be able to understand the

उद्देश्य :

1. छात्रों को अंतर्विद्यावर्ति अध्ययन में प्रवृत्त करना।
2. छात्रों को हिन्दी सिनेमा के इतिहास से परिचित कराते हुए साहित्य और समाज के साथ हिन्दी सिनेमा के अंतसंबंध से अवगत कराना ।

इकाई :१

सिनेमा का इतिहास :

1. मुक फिल्मों का इतिहास।
2. हिन्दी और कन्नड सिनेमा का इतिहास 1990 तक।
3. हिन्दी और कन्नड सिनेमा का इतिहास 1990 से अब तक।

इकाई :2

साहित्य पर आधारित कुछ फिल्मे :

1. हिन्दी साहित्य पर आधारित हिन्दी फिल्में।
2. क्षेत्रीय साहित्य पर आधारित हिन्दी फिल्में।
3. विदेशी साहित्य पर आधारित हिन्दी फिल्में।

इकाई :3

वीशव सिनेमा , प्रमुख चरित्र और उनकी देन , सेरजी इसेटीन, चार्ली चापलीन , बुरुगमैंन , ग्रयुन्सिस थेरपी , विटटोरिया डोसेसा , अकीरा कृसोवा ।

इकाई :4

बंगाली सिनेमा, हिन्दी सिनेमा, कन्नड सिनेमा , भारतीय स्नंस्कृति और सिनेमा , प्रमुख निर्देश – सत्यजित रॉय , तपन सिन्हा, बारगुरु रामचंद्र, अडुरु गोपालकृष्णन, बीमाक रॉय, शांताराम, गुरुदत्त, दादसहेब फालके।

इकाई :5

पठकथा लेखक ,फोटोग्राफी , शूटिंग के तरीके , डबिंग और संपादक , सिनेमा और मानव मूल्य ,सिनेमा और संप्रेषन ,समाज के लिए सिनेमा की देन और महत्व।

सहायक ग्रंथ :

1) अनवर जमाल - हालीवुड बालीवुड
2) विनोद भारद्वाज - सिनेमा कल आज कल
3) बच्चन श्रीवासत्व - भारतीय फिल्मों की कहानी
4) शंभुनाथ - हिन्दी सिनेमा
5) सुरेद्रनाथ तिवारी - भारतीय नया सिनेमा
6) मनहोर श्याम जोशी - पटकथा लेखन के तत्व
7) अनुपमा ओझा - भारतीय सिने सिधान्त

1.1.03

SC.4.2. साईबर हिन्दी

इकोई : 05

केडिट 04

Course outcome:

Technology is the need of the hour. Computer technology is also used in literature and languages today. This course is intended to teach the students how to use computer based technology in the context of Hindi language and literature. The students, after completing this course, will be able to learn Hindi typing, browsing and creating Hindi material online, mailing, etc in Hindi language.

उद्देश्य :

1. वर्तमान युग में अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के लिए चिहीन्त किया गया है | इसलिए कंप्युटर साक्षारता वर्तमान पीढ़ी के लिए आवश्यक है | अब अध्यादेश भी शैक्षणिक मैं , कंप्युटर कक्षा कक्ष कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है | कंप्युटर आधारित शिक्षण सीखने लोकप्रिय बन गया है और हिन्दी भाषा और साहित्य के छत्रों को कंप्युटर आवेदन की बुनयादी बातों को मिलना चाहिए | वेयबसाईटों, ब्लाँगो , ई साहित्य , ई-थीसिस , ई-पत्रिकाओ आदि शैक्षणिक गतिविधियो करने में बहुत उपयोग होते है |
2. हिन्दी भाषा और साहित्य के छात्रों को वर्तमान दुनिया में प्रतिस्पर्धा करने के लिए वेब आधारित जानकारी का उपयोग करना चाहिए |

इकाई: 1

कंप्युटर – एक सामान्य परिचय , सॉफ्टवेयर , हार्डवेयर , इनपुट-बाहर ,डिवाइस , कंप्युटर सॉफ्टवेयर , पेजमेकर शब्द फाईल सृजन , पीडीएफ फाइलो |

इकाई :2

पावर प्वाइंट, इंटरनेट, ब्राउजिंग, ईमेल, ब्लाग, वेबसाइट

इकाई -3

हिन्दी टाइपिंग सॉफ्टवेयर, आईएसएम, मैं छलांग, यूनिकोड फॉन्ट, की-बोर्ड, स्क्रिप्ट, ध्वन्यात्मक की-बोर्ड, हिन्दी फॉन्ट, डीटीपी वर्क्स, पृष्ठ, पुस्तक प्रकाशन की सेटिंग |

इकाई -4

ई-पुस्तकों और पत्रिकाओं, ई- लाइब्रेरी, ई-थीसिस, ई-प्रकाशन, गूगल अनुवाद, अनुवाद सॉफ्टवेयर, ई-साहित्य, चेहरा किताब और साहित्य, विकिपीडिया, सरकारी वेबसाइट, ई-लर्निंग साहित्यिक फेसबुक, ई-स्रोतों से प्रशंसा पत्र, आधिकारिक भाषा और कंप्यूटरीकरण, शिक्षण और कंप्यूटर |

इकाई -5

ई-टाइप प्रैक्टिकल कक्षाएं |

सहायक ग्रंथ –

1- भास्कर जुयाल – इन्टरनेट की दुनिया में हिन्दी का महत्व
2- रविशंकर श्रीवास्तव – हिन्दी के बढ़ते कदम
3- विजय प्रभाकर कांबले – मशीनी अनुवाद
4- राम बंसल - सूचना प्रद्योगिकी और भारतीय भाषाएँ
5- अभिव्यक्ति - कंप्यूटर सामान्य ज्ञान एवं उपयोगकर्ता गाइड
6- विजयलक्ष्मी मल्होत्रा – कंप्यूटर का भाषिक अनुप्रयोग
7- हरिमोहन – कंप्यूटर और हिन्दी